



मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है।

इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है।

**- बोधराज सीकरी**





# युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरीग

## मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

### भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-



21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा

कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा

पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा।

# दैनिक मेवात

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मुम्बई । मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ शिप्रा एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके माध्यम पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इसमें युवा अधिक जुट रहे हैं। इसका प्रभाव भी युवाओं को संस्कारवान बनाने का एक पवित्र निर्माण करना है। यह एक इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में ज़रूरी यंत्रोपकरण में कहा।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा विही कुटिया, सरदार रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री भुम्बा मंदिर पर आठ सप्ताह मुम्बई में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ कर मंदिरों में हुआ तो माता और अधिकाधिक धर्मनिरपेक्ष, अधिकाधिक हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ हो कर किया गया। इन सप्ताहों पर करीब 4 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के तबे उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में पवित्र



निर्माण पर, संस्कारों के प्रकलन के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पढ़ाए गए संस्कृत में निष्ठावान बनने की आवश्यकता भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका

उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस विद्या में राष्ट्ररत बनकर मिलेंगे। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा विही कुटिया में

हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान जगत देव कथुरिया प्रधान, इश्वरकल अदरलख, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और युवावी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल शेरकर प्रधान, जयेश शीकर, चार अलग अलग श्री भुम्बा मंदिर का समन्वयक प्रधान नारायण शीकर, रविचंद्र नारायण शीकर, सुभाष शर्मा ने बखुबी किया होलक, मंत्री द्वारा गावडी रूप और समीक्षा तबके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के तबे विभिन्न बंधन, रमेश कुमार, श्रीपी कालिका, किशोरी हुदिया, रविश गीहरी, ज्योत्सना नारायण, ज्योति वर्मा और रचना बंधन का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि आगले सप्ताह 21 पारसी के लिए मंदिरों की इच्छा जारी युवा हो गई है। उस दिन उपस्थित मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अहंता नगर, श्री राम मंदिर इलाहाबाद में अहंता में किया जाएगा लोगों के जोश को देखते हुए यह निश्चितता बनता रहेगा।

# दैनिक ट्रिब्यून

## हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी

गुरुग्राम, 15 मार्च (निस)

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इससे समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

● मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

● वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों



में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिरों में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य

बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने

कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वयक प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गावा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजिरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

# राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृत संकल्पित : बोधराज

गुरुग्राम (एसएनबी)। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री षणा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर काम करें।

# युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी

गुड़गांव, 15 मार्च (ब्यूरो): मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान



मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ कराने पहुंचे बोधराज सीकरी व उनके साथ मौजूद श्रद्धालु।

चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की।

बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है

कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया

- मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे
- वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ।

हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया।

# गुड़गांव टुडे

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

- मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे।
- वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी।

### गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन



गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करने के दौरान मंदिर में श्रद्धालु।

सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार

आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय,

भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की।

बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथुरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरिष वर्मा और पुजारी

प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रीवर प्रधान, उमेश ग्रीवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव ग्रीवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गावा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी हुडेजा, गजेंद्र गोसाईं, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदवधान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित



# पार्याणिर

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृत संकल्पित : बोधराज सोकरी



गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करने के दौरान मंदिर में श्रद्धालु।

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ त्रिफे एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान का विरोधता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सोकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन रासह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है।

गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, धनितमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सोकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समवेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि

युवाओं को पारंपारिक संस्कृति से निकलकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सोकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कश्यपिया प्रधान, रवामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, इरीश बगौ और पुजारी प्रमोद कुमार को देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रीवर प्रधान, उमेश गोक, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव ग्रीवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाथा ने कसूकी किया। खेलक, मंत्रि द्वारा गायत्री रूप और सगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर प्रसाज, रमेश कामरा, ओमो कालरा, किशोरी दुईज, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का गाराहतीय योगदान रहा। बोधराज सोकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों को प्रार्थना करने शुरू हो गई है।

# ओपन सर्च

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता  
सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान को विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया।

21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार



किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को

पारचात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा

पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथुरिया प्रधान, श्यामक ल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार को देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल प्रोवर प्रधान, उमेश प्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का

■ वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

समन्वय प्रधान वासुदेव प्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। डोलक, मंजीर द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश काप्परा, ओपी कासरा, किशोरी बुड्डेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों को प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अजुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

# बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प -बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर

चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका

उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथुरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल प्रोवर प्रधान, उमेश प्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वयक प्रधान वास्देव प्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गावा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओषी कालरा, किशोरी दुडेजा, गजेंद्र गोसाईं, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अजुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह स्थिति सिला चलता रहेगा।

# जगत क्रान्ति

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

✦ मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

जगत क्रान्ति ✦ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का



अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100

बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति

से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल गोवर प्रधान, उमेश गोवर, चार आठ मरला श्री कृष्णा मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव गोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया।

# अमर भारती

गंगा

एक उम्मीद

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

अमर भारती संवाददाता

**गुरुग्राम।** मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ भरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन



● अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है।

प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ।

हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल शोवर प्रधान, उमेश शोवर, चार आठ भरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वयक प्रधान वासुदेव शोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। डोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी जुड़ेजा,

गजेन्द्र गोसाईं, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीमनगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

# दैनिक राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र उजाला आज तक

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में



हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक

भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी

प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गावा ने बखूबी किया। डोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी हुड्डेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा।

# ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : [www.jyotidarpan.com](http://www.jyotidarpan.com)

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी



गुरुदास। मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके माध्यम पर गुरु प्रदान भी पट्ट रहते हैं। इस अभियान को विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। लम्बे समय भी युवाओं को संस्कारवान

बनाकर उनका प्रतिष्ठ निर्माण करना है। यह कार्य इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिर में अपने संकेतन में करते।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान चले है। गुरु गिरी कुटिया,

बनारस रोड, हनुमान मंदिर, बदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर पर अठारह मराल पुस्तक में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 का पाठ जब मंदिरों में हुआ तो पालीस और अधिक धर्मगुरु, अधिकारगुण हो गया। इन तीन मंदिरों में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन मन्त्रों पर करीब 400

लोगों ने शिरकाव की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजमें जो संस्थाओं में प्रतिष्ठित होने के लगे उनका यह कार्यना बलक है कि वे समाज में प्रतिष्ठ निर्माण पर, संस्कारों के माध्यम से निरूप करना करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को चरणपाल संस्कृति से निकालकर अपने वैशालिक भारतीय संस्कृति

में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सक्रियता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गुरु गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथुरिया प्रधान, रघुनाथकल अदलखा, रमेरा

कुमार, अजित कुमार, हरिण कर्मा और पुष्पारी प्रमोद कुमार को देखेंगे में हुआ। हनुमान मंदिर बदनपुरी का संस्थापक राम लाल डोबर प्रधान, जगत डोबर, पार अठार मराल श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान बसुदेव डोबर, सचिव जयदेव कुमार, सुभाष नाथ ने मंचवृत्त किया। दोलक,

संजीव द्वारा गणकी रूप और सर्वोत्तम तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। सर्वोत्तम के साथ धर्मिंदर बजाज, रमेरा कर्मा, ओरी कालरा, किशोरी दुर्गेमा, वनेंद्र योगेश, ज्योत्सना बजाज, ज्योति कर्मा और रघुनाथ बजाज का सहाय्यक वोलन रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मरालपर 21 करवरी के दिना मंदिरों को प्रार्थना अर्पित शुरू हो गई है। इस दिन जयदेव मंदिर भीम नगर, सोरोनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोर को देखते हुए यह सिद्धांत चलता रहेगा।

# भारत सारथी

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकधिक युवा जुड़ रहे

वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

भारत सारथी

मुद्राशासक। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कर्माई नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इसमें युवा अधिक जुड़ रहे हैं। इसका प्रयोग भी युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए चरित्र निर्माण करता है। यह पाठ इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कहा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंग नगरी कुदिया, बवाई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी-बैर, श्री कृष्ण मंदिर वाराणसी सहित गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-23 वार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो मंडल और अधिक धर्मप्रेम, प्रतिभाम हो गया। इन तीन मंदिरों में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिवालय की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के बाद उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकलकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ बहारी संस्थाएं काम कर रही



हैं। उन्होंने कहा कि इस मिलन में सकलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंग नगरी कुदिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कपुरिया प्रधान, एनामकल अटलेश, रमेश कुमार, अजित कुमार, इरीश कर्मा और युवारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल शोहर प्रधान, उमेश शोहर, वाराणसी सहित श्री कृष्ण मंदिर का समन्वयक प्रधान बलदेव शोहर, अजित खयदखल कुमार, दुभाग गाबा ने बखूबी किया। शोहरक, रमेश कुमार, रमेश कुमार, श्रीराम कान्त, किरीती हुट्टेज, चर्मेद मोन्दा, जयशंकर बरवार, जयति कर्मा और रघुव बरवार का सरांमतीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि मंगलवार 21 फरवरी के दिन मंदिरों की प्राथम्य अंगी शुरु हो गई है। इस दिन वटवृक्ष मंदिर भोजन पर, योगीश्वर मंदिर अर्जुन भोजन



श्री राम मंदिर प्राप्त कर में आयोजन देखते हुए यह स्थितिमा चलता किया जाएगा। छोटी के बोरा की रहेगा।



# युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी



-मंदिरों में हनुमान चातीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

-वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

गुरुकुलम मंदिरों में हनुमान चातीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कर्म नहीं है, बल्कि इसके समान पढ़ पढ़ता प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख कोषटान सीकरी ने मंदिरों में अपने सरोजन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चातीसा पाठ का अभियान जारी है। नया मिठी कुटिया, सर्टी रोड, हनुमान मंदिर, सदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर पर 200 मराल गुरुकुलम में हनुमान चातीसा का पाठ कराया गया। 21-29 रात पाठ जब मंदिरों में हुआ तो मराल और अधिक धर्मिय, सचिजन्य हो गया। इस तीन मंदिर में हनुमान चातीसा पाठ 3000 रात किया गया। इन सप्ताहों पर करीब 400 लोको ने हिंदकत की। कोषटान सीकरी ने कहा कि समानकोषी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के बाद उनका यह सचिजन्य बना है कि वे समान में चरित्र निर्माण पर, सरकारी के समर्थन के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाठाला संस्कृति से निकलकर अपनी धैर्यात्मिक शक्तों को संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसका उनके साथ काफी संसाधन काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

कोषटान सीकरी ने बताया कि नया मिठी कुटिया में हनुमान चातीसा पाठ का आयोजन प्रधान इलम देव कुभुटिया प्रधान, अयसकल अहलका, देवी कुमाद, अमित कुमाद, हरीश वर्मा और पुनारी प्रमोद कुमाद रवि देवदेव में हुआ। हनुमान मंदिर सदनपुरी का समन्वयक इलम देव कुभुटिया प्रधान, अमित कुभुटिया, पाठ अहलका श्री कृष्ण मंदिर का समन्वयक प्रधान सारदेव कोषट, सचिजन्य अहलका कुमाद, सुभाष गणा ने बढ़ावा किया। सोरक, मण्डि द्वारा सचिजन्य रूप और सरोजन्य उद्योग से हनुमान चातीसा का पाठ किया गया। सरोजन्य के साथ धर्मिय समान, देवी कामर, ओषी कारक, मिठाठी टुट्टेम्, मनेद मोरस, जगदलका सलम, नवीति रमा और दयमा कलम का सदाचार्य संस्कारन रहा।

कोषटान सीकरी ने बताया कि अगले सप्ताह 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयनार मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अरुण नगर, श्री राम मंदिर प्रसाद नगर में आयोजन किया जाएगा। लोको के नोड को देवती हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।



## Bodhraj Sikri – युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प



VIRAL SACH

March 15, 2023

No Comments

4



2 minute read



**Viral Sach : Bodhraj Sikri – मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।**

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिपा, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया।

इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

हरियाणा की आवाज़

# युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे, वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

गुरुग्राम(राकेश)। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश



के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय

संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन

में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ

का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल गोवर प्रधान, उमेश गोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव गोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। खेलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

## युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी



गुरुग्राम ( एनसीआर टाइम ) गुरुग्राम मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में

सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्णा मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।